

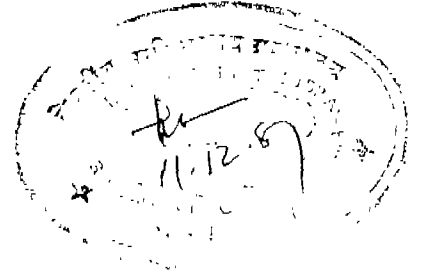


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 230]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 5, 1987/वैशाख 15, 1909

No. 230]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 5, 1987/VAISAKHA 15, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

पत्तन पक्ष

नई दिल्ली, 5 मई, 1987

अधिसूचना

सा. का. नि. 455(अ)—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्याम अधि-
नियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 (1) की उपधारा
(1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, कलकत्ता पत्तन के न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए
और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट कलकत्ता
पत्तन न्यास कर्मचारी (बाह्य खरीदने के लिए अग्रिम धनराशि देना)
विनियम, 1987 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम, इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन
की तारीख की प्रवृत्त होगा।

[फा. सं. पी आर-12015/9/86-पी ई-1]

पी. एम. अश्वहथ, अपर सचिव

कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (बाह्य खरीदने के लिए अग्रिम की
स्वीकृति) विनियम, 1987

मेजर पोर्ट ट्रस्ट ऐक्ट, 1963 (1963 का 38) की धारा 28
द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर वर्तमान
नियमों का अधिक्रमण करते हुए कलकत्ता पोर्ट का न्यासी मण्डल एतद्
द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है।

कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (बाह्य खरीदने के लिए अग्रिम राशि
की स्वीकृति) विनियम, 1987

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(क) इन विनियमों को कलकत्ता
पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (बाह्य खरीदने के लिए अग्रिम राशि की स्वीकृति)
विनियम, 1987 कहा जाएगा।

(ख) ये राजपत्र में केन्द्रीय सरकार की मंजूरी के प्रकाशन तारीख
की प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा : इन विनियमों में जब तक कि प्रसंग से दूसरी बात
अपेक्षित न हो,—

(क) "लेखा अधिकारी" से तात्पर्य बोर्ड के वित्त सहायकार और
मुख्य लेखा अधिकारी या लेख विभाग के ऐसे अधिकारी(यों)

से है जोकि विश्व सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी हल्लिया डक कमप्लैक्स के उप प्रबंधक (विश्व) द्वारा नामित किए जायें या हल्लिया डक कमप्लैक्स के विश्व विभाजन के ऐसे अधिकारी (यों) जोकि उप प्रबंधक (विश्व) द्वारा नामित किए जायें।

(ख) "बोर्ड" "चेयरमैन" "डेप्टी चेयरमैन" और विभागाध्यक्ष का वही अर्थ होगा जैसा कि उन्हें मेजर पीट ट्रस्ट ऐक्ट, 1963 (1963 का 38) में क्रमशः दिया गया है।

(ग) "1 श्रेणी पद" से तात्पर्य निम्नलिखित में से है :—

(क) सभी विभागाध्यक्षों के पद।

(ख) वे सभी पद जिनका वेतन या वेतनामान (भत्तों को छोड़कर) अधिकतम 1980/- रु. प्रतिमाह या अधिक हो।

(ग) वे सभी पद जो उपर्युक्त (क) और (ख) के अंतर्गत नहीं आते तथा बोर्ड द्वारा विशेष रूप से 1 श्रेणी पद घोषित हों।

(घ) "वाहन" से तात्पर्य मोटर-कार मोटर साईकिल, स्कूटर तथा आटो-साईकिल से है।

(ङ) "वेतन" से तात्पर्य उस राशि से है जैसा कि कण्डामेंटल रूलस के नियम 9(21)(ए) में परिभाषित है, जोकि एक कर्मचारी भत्तों को छोड़कर मासिक पाता है उनसे भिन्न (संपूर्ण या आंशिक) जोकि इस नियम के उद्देश्य के लिए कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट द्वारा विशेष रूप से वेतन के रूप में स्वीकृत है।

3. लागू सीमा : (1) बोर्ड की सेवा में या पदों पर नियुक्त सभी कर्मचारी इस विनियम के तहत अधिम पाने के हकदार होंगे।

(2) ये विनियम निम्नलिखितों पर लागू नहीं होंगे।

(क) वे व्यक्ति जो केंद्रिय या अणकालिक नौकरी में हैं।

(ख) वे व्यक्ति जो केंद्रिय सरकार या राज्य सरकार से या किसी अन्य श्रोत से प्रतिनियुक्ति पर आये हैं।

(ग) ठेके पर नियुक्त व्यक्ति केवल ठेके में व्यवस्थित अन्य बातों को छोड़कर।

(घ) विनियम 4 में की व्यवस्थाओं को छोड़कर अस्थायी कर्मचारी-गण जोकि मूल रूप से बोर्ड द्वारा नियुक्त नहीं हैं।

4. जो कर्मचारी बोर्ड की सेवा में कम से कम तीन मास पूरे कर चुके हैं लेकिन पुष्ट नहीं हुए हैं, उन्हें अधिम की मंजूरी दी जा सकती है बशर्ते कि उसके विभागाध्यक्ष यह प्रमाणित करें कि उसे संभवतः यथासमय बोर्ड की सेवा में स्थायी रूप में ले लिया जायेगा। परन्तु वह कर्मचारी अपने अधिम आवेदन के साथ इस विनियम के अनुलग्नक 1 में नये बिलित प्रपत्र में एक ऐसा जमानतनामा दे जोकि बोर्ड की सेवा में उसके समान हैमियन या ऊंची हैमियन में स्थायी रूप में नियुक्त हो।

5. निलंबित कर्मचारियों को अधिम नहीं दिया जायेगा :

विनियम 6 में किसी बात के उद्देश्य पर भी निलम्बित कर्मचारी को वाहन खरीदने के लिए अधिम नहीं दिया जायेगा। और यदि निलम्बन से पूर्व उसे अधिम की मंजूरी दे दी गयी हो, तो उसे निलम्बन अवधि में अधिम का भुगतान नहीं किया जायेगा।

6. पात्रता की शर्तें : (1) ऐसे कर्मचारी जिसकी डिप्टी में यात्रा शामिल हो या मंजूरी देने वाले अधिकारी इस बात से संतुष्ट हों कि जो

कर्मचारी वाहन रखना चाहता है उससे उसके सरकारी कामों के निष्पादन में सहायता मिलेगी तथा कर्मचारी अधिम लौटाने तथा वाहन के प्रकृष्टी रख रखाव करने में पूर्ण यत्न दे।

(2) जो कर्मचारी वाहन खरीद लिया है तथा उसकी कीमत भी चुका दी है, उसे अधिम नहीं दिया जायेगा। यदि यह अधिम के लिए आवेदन करने की तारीख से पूर्व तीन महीने से पहले नहीं खरीदा गया हो तथा इसका भुगतान एक अस्थायी ऋण द्वारा किया गया हो।

(3) जहां तक उसी उद्देश्य के लिए पूर्व मंजूर अधिम से संबंधित बकाया जमा का पूरा भुगतान कर नहीं दिया जाये विनियम 18 में की गयी व्यवस्था को छोड़कर वाहन खरीदने के लिए अधिम की मंजूरी नहीं दी जायेगी।

(4) बोर्ड के विशेष मंजूरी को छोड़कर पूर्व मंजूरी की तारीख से पांच साल के भीतर कोई नया अधिम मंजूर नहीं किया जायेगा।

(5) यदि पूर्व अधिम मोटर साईकिल, स्कूटर आदि की खरीद के लिए लिया गया हो, तो पूर्व अधिम की स्वीकृति की तारीख से पांच वर्ष के भीतर के विशेष मंजूरी के बिना भी नया अधिम मंजूर किया जा सकता है लेकिन कर्मचारी मोटर गाड़ी खरीदने के लिए नया अधिम चाहता है तथा पूर्व अधिम को व्याज सहित चुका दिया हो।

7. मंजूरी का अधिकार : इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार वाहन खरीदने के लिए अधिम की मंजूरी दी जायेगी :—

(क) प्रथम श्रेणी कर्मचारी के मामले में चेयरमैन या डिप्टी चेयरमैन, हल्लिया के अधिकारियों के मामले में हल्लिया के चेयरमैन या डिप्टी चेयरमैन।

(ख) किसी अन्य मामलों में अध्यक्ष या किसी उपाध्यक्ष द्वारा मंजूरी दी जायेगी।

8. अधिम की राशि : (1) मोटरकार :—मोटरकार की खरीद के लिए जिस कर्मचारी को पहले अवसर पर मंजूर की जाने वाली अधिम की कुल राशि अस्सी हजार रुपए से अधिक नहीं होगी, या कर्मचारी के 35 महीने का मूल वेतन, या मोटरकार का प्रस्तावित मूल्य, जो भी कम हो। यदि कर्मचारी द्वारा चुकाई गई मोटरकार की कीमत की गयी अधिम राशि से कम हो, तो उसे बची रकम की तुरन्त बोर्ड की वापस करना होगा।

दूसरे अवसर पर या परवर्ती अवसर पर मोटरकार खरीदने के लिए मंजूर की जाने वाली राशि की मात्रा 80,000/- रु. तक सीमित रहेगी (केवल अस्सी हजार रुपए) पहला मोटर कार जिसे अधिम पर खरीदा गया था, की बिक्री से हुए लाभ को घटाकर या खरीदा जाने वाला मोटरकार के मूल्य पर कर्मचारी के पैंतीस महीने का मूल वेतन जो भी कम हो। इस विनियम में प्रयुक्त "लाभ" शब्द से तात्पर्य कर्मचारी द्वारा पोर्ट ट्रस्ट से लिए गये अधिम से खरीदा गया कार के बेचने पर कार के क्रय मूल्य से अतिरिक्त विक्रय आय से है। मोटरकार खरीदने के लिए इस प्रकार का द्वितीय या परवर्ती अधिम चार वर्ष बाद मंजूरी योग्य होगा, जिसे गत अधिम की निकासी की तिथि से संगणना किया जायेगा। परन्तु निम्नलिखित मामलों में 4 वर्ष की यह पाबन्दी नहीं लागू जायेगी :—

(क) जब मोटरकार खरीदने के लिए पहले ही अधिम की स्वीकृति दे दी गई हो, लेकिन यह वांछित है कि मोटर खरीदने के लिए ही अधिम लिया जाये।

(ख) जब कोई कर्मचारी एक वर्ष से अधिक समय के लिए शिक्षण के लिए जाने से पहले ही विदेश में अपनी बहानी भारत में अपनी मोटरकार बेच दे तथा बिना कार के भारत लौटे।

(ग) जब किसी कर्मचारी की विदेश में नियमित रूप में नियुक्ति हो जाये तथा वह अपने साथ मोटरकार न ले जाये।

कोई कर्मचारी जो विदेश में नियमित पद पर हो या प्रशिक्षण/प्रतिनिधित्व पर 1 वर्ष से अधिक समय के लिए हो जो कि इस विनियम के तहत मोटरकार अधिम पाने का हकदार है उसे उपर्युक्त उप विनियम में उससे मान्य अधिम की स्वीकृति दी जा सकती है। यह अधिम दो किस्मों में दी जायेगी। प्रथम विदेश में गाड़ी खरीदने समय तथा द्वितीय अपनी अधिम की समाप्ति पर कार को भारत लाने पर तथा सीमा शुल्क का भुगतान करने पर।

(2) मोटर साइकिल आदि :

मोटर साइकिल/स्कूटर/स्मूटरिटी/आटोसाइकिल के खरीदने के लिए अधिम 8000/- रु. (आठ हजार रुपये केवल) से अधिक नहीं होगा या कर्मचारी के दस महीने की तनखाह या मोटर साइकिल/स्कूटर/स्मूटरिटी/आटोसाइकिल के प्रत्याशित मूल्य का 80% जो भी कम हो।

सं. पं. टी. से लिए गये अधिम द्वारा खरीदे गये मोटर साइकिल/स्कूटर/स्मूटरिटी/आटोसाइकिल की बिक्री से हुए लाभ को घटाकर या कर्मचारी के दस महीने की तनखाह या मोटर साइकिल/स्कूटर/स्मूटरिटी/आटोसाइकिल के प्रत्याशित मूल्य का 80% जो भी कम हो मोटरसाइकिल/स्कूटर/स्मूटरिटी/आटोसाइकिल की खरीद के लिए द्वितीय या परवर्ती अधिम की राशि 8000/- रु. (आठ हजार रुपये केवल) से अधिक नहीं होगी या यदि कर्मचारी द्वारा वाहन के लिए प्रदत्त वास्तविक राशि अधिम का गूँघे राशि से कम हो तो उसे बर्बाद राशि को बॉर्ड कोनुरंत वापस कर देना चाहिए।

नोट : 1

इस विनियम में वास्तविक मूल्य में बिक्री कर तथा मर्च का लागत अर्थात् अतिरिक्त चक्का; टायर तथा ट्यूब या स्कूटर पर पीछे की मोट रिस्के जैसा को खरीदना है। पड़ता है, शामिल होते हैं। फिर भी इसके कुछ अनुपयोगों की कोमत नहीं पकड़ी जाती। जैसे—कार में रेडियो, प्लानेटिक के आलछादन जोकि आवश्यक नहीं होते तथा जिन्हें उपभोक्ता अपने इच्छा से खरीदता है। वाहन के बीमा तथा पंजीकरण प्रभारों को भी वास्तविक मूल्य में शामिल नहीं किया जाना है।

नोट : 2

प्रथम खरीद के मामले में इस विनियम में प्रयुक्त "वास्तविक मूल्य" के अंतर्गत निम्नलिखित मदें भी शामिल होंगे।

(1) खरीद के समय संबंधित कर्मचारी के कार्यस्थल तक वाहन को लाने पर हुए परिवहन खर्च चाहे वह वितरण द्वारा उठाया गया हो या कर्मचारी द्वारा स्वयं तथा;

(2) वास्तविक प्रदत्त चुंगी प्रभार

9. व्याज : सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों को वाहन खरीदने के लिए दिए गये अधिम पर केन्द्र सरकार द्वारा लिया जाने वाला व्याज को दर ही वाहन खरीदने के लिए कर्मचारियों को स्वीकृत अधिम पर प्रभारित होगा। बकाया शेष पर व्याज की गणना हर महीने के अंतिम दिन होगा।

नोट : यदि किसी विशेष मामले में अधिम राशि एक किस्त से अधिक किस्तों में ली गयी हो तो बसूली योग्य व्याज दर का निर्धारण उस तारीख से निर्धारित होगा जिस तारीख को पहली किस्त ली गयी हो।

10. अधिम हेतु आवेदन का फार्म : वाहन खरीदने के संबंध में अधिम के लिए लिखित प्रपत्र जोकि इस विनियमों के अनुलग्नक 11 पर है, में आवेदन किया जायेगा।

11. अधिम की बसूली : (1) यदि मोटर कार की खरीद के लिए अधिम मंजूर किया गया हो कर्मचारी को दिए गये अधिम की बसूली इस प्रकार किया जाय या समान मासिक किस्तों में, जैसा कि वह चाहे, परन्तु

यह संख्या 200 से अधिक नहीं होगी। यदि अधिम मोटर साइकिल आदि की खरीद के लिए मंजूर किया गया हो समान मासिक किस्तों को यह संख्या 80 से अधिक नहीं होगी, कर्मचारी अपनी इच्छानुसार इन महीने में एक किस्त से अधिक भी दे सकता है।

12. व्याज की बसूली : (1) विनियम 9 के तहत दिया गया अधिम व्याज की राशि कम से कम महीनों की किस्तों में बसूली को जायेगी प्रत्येक किस्त की राशि।

(2) वाहन खरीदने हेतु लिए गये अधिम के पुनर्भुगतान को पूर्ति के तुल्य वाद वाले महीने सेही व्याज की बसूली शुरू हो जायेगी।

13. बिक्री या हस्तान्तरण : अधिम मंजूर करने वाले प्राधिकारों की पूर्ण अनुमति को छोड़कर कोई भी कर्मचारी तब तक वाहन नहीं बेच या हस्तान्तरण कर सकता जब तक कि उस पर दिए गये अधिम व्याज सहित चुका न दिए गये हों।

14. अगर अधिम लेने के एक महीने के भीतर वाहन न खरीदी जाये तो अधिम लौटा दिया जाना चाहिए। यदि कोई कर्मचारी जिसे कि वाहन खरीदने हेतु अधिम की मंजूरी मिल गयी हो तथा वह अधिम लेने का मारख में एक महीने के भीतर वाहन का खरीद पूरा नहीं करता तथा भुगतान नहीं करता तो उसे अधिम का पूरा राशि एक महीना के व्याज सहित तुरन्त बोर्ड को लौटा देना चाहिए।

टिप्पणी :

जैसाकि विनियम 7 में निर्धारित है कि किस्तों खास मामले में यदि मंजूरी अधिकारी चाहे तो एक महीने की निर्धारित अवधि का दो महीने के लिए बढ़ा सकते हैं।

टिप्पणी : 2

जब कोई कर्मचारी अधिम की पूरी राशि को उस महीने के, जिसमें उसने अधिम लिया है, समाप्त होने से पहले लौटा दे तो जितने दिन वह राशि उसके पास थी उसने उन्ही वास्तविक अधिम का व्याज बसूली किया जायेगा।

15. करार एवं अनुबंध बाण्य : जब किसी कर्मचारी को वाहन खरीदने के लिए अधिम की स्वीकृति मिल जाये तो मंजूर अधिम राशि के भुगतान से पहले इन विनियमों के अनुलग्नक III में लिखित प्रपत्र पर करार बना करना होगा, अगर उसे अधिम की मंजूरी विनियम 6 के उपविनियम (3) के तहत मिली है। पूरा होने के साथ-साथ लेकिन वाहन खरीदने की तारीख से एक सप्ताह के भीतर ही उसे इन विनियमों के जोकि मोटरकार, मोटर साइकिल गाड़ियों से आश्रित है, अनुलग्नक 4 अथवा 5 में जैसी स्थिति हो अधिम के लिए जमानत के रूप में बोर्ड के पास करार बांध प्रस्तुत करना होगा।

16. यदि अनुबंध बाण्ड समय पर नहीं दिया जाये, तो व्याज सहित अधिम तुरन्त लौटा दिया जाये। अनुबंध बांड को समय पर प्रस्तुत न करने पर कर्मचारी को अधिम की पूरा राशि व्याज सहित तुरन्त वापस करना होगा जब तक इसके विपरित समुचित और पर्याप्त कारण न दिखा सके तथा मंजूरी के लिए सक्षम अधिकारी इस संबंध में निर्धारित अधिम को बढ़ा न दें।

17. बीमा : (1) जो कर्मचारी बोर्ड से अधिम लेकर वाहन खरीदा है उसे खोने या अग्नि द्वारा क्षति, चोर या दुर्घटना के विरुद्ध अपने खर्च पर बीमा करना पड़ेगा और तब तक बीमा जारी रखना पड़ेगा, जब तक कि वह अधिम और अधिम पर हुए व्याज का पूरा भुगतान न कर दे। इस विनियम के अनुलग्नक 7 पर निर्धारित खण्ड के अनुसार वाहन पर बीमा पॉलिसी लिया जायेगा। बीमा की व्यवस्था भारतीय जीवन बीमा निगम या कोई अन्य बीमा कंपनी जो उचित खंड को बीमा प्रदान करने के लिए तैयार करे।

(2) किसी भी अवधि के लिए बाह्य पर किया गया बीमा अवधि के शुरू में ब्याज सहित अधिम बकाया शेष से कम नहीं होना चाहिए लेकिन उस राशि से कम होने पर अन्तर राशि को तुरंत बोर्ड को नौ टा दिया जाये।

(3) इस विनियम में निर्धारित शर्तों के अनुपालन में अनुरोध होने पर कर्मचारी को पूरा अधिम तथा उस पर हुए ब्याज तुरन्त वापस कर देना चाहिए, जब तक इसके लिए अधिम मंजूर करने वाले सक्षम अधिकारी को समुचित और पर्याप्त कारण न दिखा दें तथा अधिम मंजूर करने वाला सक्षम अधिकारी उन शर्तों में से किसी को भी न छोड़ दे।

18. पहला अधिम तथा ब्याज की पूर्ति से पहले दिनांक या परवर्ती अधिम की स्वीकृति की शर्तें: अधिम मंजूर देने वाले सक्षम अधिकारी जब कि कर्मचारी को अधिम तथा उस पर हुए ब्याज के खरीदने के लिए पहले बाह्य को बेचने को अनुमति देना है तथा उस बाह्य की किसी राशि से दूसरा बाह्य खरीदा जा सकता, तब प्राधिकारी कर्मचारी को निम्न-लिखित शर्तों पर दूसरा अधिम मंजूर कर सकता है।

(क) पहले बाह्य की किसी से प्राप्त कुल धन राशि को नये बाह्य के खरीद में लगाना पड़ेगा।

(ख) पहले सकाए अधिम तथा उस पर हुए ब्याज के भुगतान के बाद निम्नलिखित अधिकतम के अधीन द्वितीय या परवर्ती अवसर पर मोटरकार खरीदने के लिए खरीदी जाने वाली गाड़ी एवं किसी की गयी गाड़ी से प्राप्त धनराशि के अन्तर राशि को ही मंजूर किया जायेगा :—

40,000/- (केवल चालीस हजार रुपये) सी पी टी के ऋण से खरीदी गाड़ी के बेचने से हुए लाभ को घटा करके या कर्मचारी के बीम महंगे का बेटन या खरीदी जानेवाली गाड़ी को कामन जो भी कम हो।

परन्तु इसके अतिरिक्त मोटर साइकिल, स्कूटर, स्कूटरिडो/घाटोसाइकिल के खरीदने के लिए दूसरे या परवर्ती अवसर पर स्वीकृत अधिम राशि खरीदी जाने वाली बाह्य तथा बेचे गये बाह्य पूर्व बकाया अधिम के चुकाने के बाद निम्नलिखित अधिकतम सीमा के अधीन दोनों के अन्तर के बराबर होगा :—

8,000/- रु. (केवल आठ हजार रुपये) सी पी टी के ऋण से खरीदी गयी मोटर साइकिल/स्कूटर/स्कूटरिडो/घाटोसाइकिल को बेचने पर हुए लाभ को घटा कर या कर्मचारी के बीम महंगे का बेटन या खरीदी जाने वाली या मोटर/स्कूटरिडो/घाटो के प्रत्याशित मूल्यों का 89% जो भी कम हो।

(ग) जिस कर्मचारी के पास मोटर कार है उसे अन्य प्रकार के बाह्य जैसे—मोटर साइकिल/स्कूटर/स्कूटरिडो/घाटोसाइकिल को खरीदने के लिए ऋण नहीं दिया जायेगा।

(घ) पूर्व निर्धारित किस्मों की संख्या के अनुसार ही अधिम की वसूली की जाएगी।

(ङ) नई खरीदी गयी मोटरकार/मोटर साइकिल आदि को बोर्ड के पास सुरक्षित एवं गिरवी रखना पड़ेगा।

(च) संशोधित राशि देय के लिए बोर्ड के पास नया गिरवी बांड देना पड़ेगा लेकिन मूल अधिम राशि के लिए नहीं।

19. चुकौती के लिए निर्धारित अधिकतम अवधि के बीच सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारों के मामले में पाबंदी: यदि किसी ऐसे कर्मचारी को अधिम की स्वीकृति दी जाती है। जिसकी सेवा निवृत्ति विनियम II के अंतर्गत इसकी चुकौती के लिए निर्धारित अधिकतम अवधि के अन्तर होने वाला हो, तो किन्तों की संख्या इन प्रकार निर्धारित को जायेगी ताकि ब्याज सहित अधिम की राशि उसके सेवानिवृत्ति या सेवा समाप्ति जैसी स्थिति हो से पहले ही चुकता हो जाये।

20. अधिम लेने की स्थिति: (क) जिस तारीख को कर्मचारी को लेखा विभाग/वित्त प्रभाग एच. डी. सी. से बैंक प्राप्त होगा निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए उसी को अधिम प्राप्त की तारीख समझी जायेगी।

(1) अधिम की चुकौती के लिए प्रथम किन्त की वसूली (विनियम II के उप विनियम (4) देखें)।

(2) धार्मिक समाप्ति तथा मोटरकार या मोटरसाइकिल आदि की खरीद (विनियम 14 देखें)।

(3) ब्याज का परिचालन (विनियम 9 देखें)।

(ख) ऐसा कर्मचारी जो छुट्टी पर है तथा भारत में ही है ए उसे अधिम की स्वीकृति दी गयी है उसे छुट्टी समाप्त होने की तारीख से एक महीना के पहले अधिम नहीं दिया जायेगा।

21. हर एक अधिम के लेखे का अलग-अलग विवरण: लेखा अधिकारी हर एक अधिम का लेखा विवरण रखेगा; उसकी वसूली का ध्यान रखेगा तथा यह भी देखेगा कि अधिमों से संबंधित शर्तों की पूर्ति हो रही है।

22. अभिरक्षण तथा गिरवी बांड का निपटारा: गिरवी बांड लेखा अधिकारी के अभिरक्षण में रखा जायेगा। ब्याज सहित अधिम के पूरे भुगतान हो जाने पर; लेखा अधिकारी उस संबंध में उस बांड पर पृष्ठांकित करके संबंधित कर्मचारी को लौटा देगा।

23. व्याख्या: इन विनियमों के किसी प्रावधान के संबंध में कोई प्रश्न उत्पन्न होने पर उसे भारत सरकार को भेजा जायेगा तथा इस संबंध में उसका निर्णय सर्वमान्य होगा।

24. निरसन और बचन: (1) विनियमों के प्रारंभ होने पर प्रत्येक विनियम, विनियम, संकल्प या आदेश जोकि इन विनियमों के प्रारंभ के तत्काल पहले लागू थे, इन विनियमों में निहित कितने भी मामले के लिए उचित तक कि इसमें उल्लिखित है, लागू नहीं रहेगा।

(2) ऐसे प्रचलन की समाप्ति के बावजूद किसी पूर्व नियम, विनियम, संकल्प या आदेश के अधीन की गयी कोई चीज या कोई कार्रवाई इन विनियमों से संबंधित उपबन्धों के अधीन की गयी समझी जायेगी।

अनुसूचक 1

(विनियम 4 देखें)

जमानती बांड का फार्म

एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि मैं..... निवास स्थान.....
जिला..... इस समय स्थायी रूप में..... मैं नियुक्त
(इसके भागे जमानती कहा जायेगा) तथा स्वीकार करता हूँ और कलकत्ता पोर्ट के न्यासी मंडल की (इसके भागे "वी बोर्ड" कहा जायेगा) (यह.....
पद केवल) की राशि ब्याज सहित जैसा कि इसके भागे निर्धारित है तथा एटर्नी व भुवमकील के बीच का लागू तथा सभी प्रकार के प्रभार व खर्च कि वो

द्वारा उपगत किया गया हो या संयोगवश बोर्ड को भुगतान करना पड़े तो उस वास्तविक तथा ठीक तरह से भुगतान की गई राशि को अदायगी के लिए मैं, खुद, मेरे उत्तराधिकारी, प्रबंधक, प्रशासक या प्रतिनिधि एतद्वारा दृढ़तापूर्वक बाध्य है जिसके गवाह के रूप में यह बांड दिनांक महीना एक हजार नौ सौ को हस्ताक्षरित किया।

जबकि बोर्ड को पुत्र निवासी के जिया में निवासन अस्थायी रूप से नियुक्त में (हमके आगे कर्जदार कहा जायेगा) कर्जदार के अपने अनुरोध पर रुपये का देगा (रु केवल) के लिए तथा जबकि कर्जदार ने उपर्युक्त राशि रु को वापस समान किस्तों में ऋण सहित कल कत्ता पोर्ट ट्रस्ट के कर्मचारी विनियम 1987 के तहत निर्धारित उसका जितना अधिक हो के तहत निर्धारित प्रणाली के आधार पर परिकल्पित उस समय उसका जितना अधिक हो वापस करने का उत्तरदायित्व लिया है की पेशगी जो कि पेशगी के दिन से उस समय तक बकाया तथा अदस्त हो।

और जबकि बोर्ड के विचार में उधारकर्ता को उपर्युक्त पेशगी की स्वीकृति दी जाती है तां वैसा समय में जमानती को निम्नलिखित शर्तों पर उपर्युक्त बांड को लिखित रूप में प्रस्तुत करना पड़ता है।

अब उपर्युक्त लिखित बांड की शर्त यह है कि यदि उपर्युक्त ऋणी, जब वह उपर्युक्त में नियुक्त, हुआ, यथा समय तथा नियमित रूप से भुगतान करता है या करवाता है। ब्याज सहित उपर्युक्त पेशगी की राशि जिसे की ऋणी ने बोर्ड से लिया है किस्त द्वारा पेशगी के दिन से उस समय दिए उपर्युक्त तरीके से जोड़े गये ब्याज या उतना जोकि तत्समय देय तथा अदस्त हो सहित उपर्युक्त पेशगी की राशि जिसे की ऋणी ने बोर्ड से लिया है किस्त द्वारा यथा समय तथा नियमित रूप से भुगतान करेगा या करवाएगा, जब तक कि उपर्युक्त राशि उपर्युक्त तरीके से जोड़े गये ब्याज के साथ न चुका दिया जाये तब तक यह बांड रद्द हो जायेगा, अथवा यह पूर्ण रूप से लागू तथा प्रभावी रहेगी।

लेकिन इस पर भी यदि उधारकर्ता की मृत्यु हो जाये या विवाहिया हो जाये या किसी भी समय बोर्ड की सेवा छोड़ दे तब पूरा या उपर्युक्त मूलधन रु. जोकि उस समय अदस्त हो तथा मूल धन पर पेशगी के दिन से धन पर देय ब्याज जोकि उपर्युक्त तरीके से जोड़ा गया हो, जमानत में से तत्काल इस बांड के आधार पर एक किस्त में वसूल कर लिया जाएगा।

जमानती द्वारा ली गयी बाण्डना समाप्त नहीं की जायेगी या किसी भी प्रकार समय बढ़ाने में प्रभावित नहीं होगी या उधारकर्ता के बोर्ड द्वारा किसी अन्य प्रोत्साहन की स्वीकृति चाहे जमानती की जानकारी या सहमति से या बिना उसकी जानकारी या सहमति से दी गयी हो।

हस्ताक्षर करके दिया गया।

उपर्युक्त

द्वारा

में

यह

(जमानती का हस्ताक्षर)

.....

(पदनाम)

संबंध कार्यालय

की उपस्थिति में

(i)

(ii)

गवाहों के हस्ताक्षर पता व पेशा :

स्वीकृत

बांड के लिए और उनकी ओर से

अनुलग्नक II

(विनियम 10 देखिए)

मोटरकार/मोटर साईकिल आदि खरीदने के लिए पेशगी हेतु आवेदन पत्र ।

1. आवेदक का नाम :
2. आवेदक का पदनाम :
3. क्या सवारी मोटरकार भत्ते का हकदार है/
यदि हाँ, तो प्रतिमाह दर :
4. वेतन—
(i) मूल वेतन :
(ii) स्थापना वेतन या अस्थायी पद के लिए लिया गया वेतन :
(iii) विशेष/निजी वेतन :
5. मोटरकार/मोटर साईकिल आदि (पेन्चिक सहायकों व बीमा तथा पर्जीकरण प्रभारों का छोड़कर) का प्रस्तावित मूल्य .
6. अपेक्षित पेशगी राशि:
7. निवर्तमान या सेवानिवृत्त तिथि :
8. पेशगी प्रदायगी की संख्या :
9. इसी प्रयोजन के लिए पहले भी पेशगी ली गयी थी, यदि हाँ तो :
(i) पेशगी लेने की तिथि :
(ii) पेशगी की राशि और/या उसके लिए अभी तक बकाया ब्याज यदि कोई हो .
10. क्या खरीदने की इच्छा है :
(क) नया या पुराना मोटरकार/मोटर साईकिल आदि;
(ख) यदि पुराना कार/मोटर साईकिल आदि खरीदने की इच्छा हो तो क्या पता लगा लिया गया है कि उस कार के बीमा के लिए स्वीकृति मिल जायेगी ?
11. क्या कोई बातचीत या प्रारंभिक पूछताछ कर लिया गया है, ताकि अग्रिम लेने के एक महीने के भीतर मोटरकार/मोटर साईकिल आदि की प्राप्ति हो जायेगी ?
12. (क). प्रमाणित किया जाता है कि वी गयी सूचनाएं पूर्ण एवं सत्य हैं ।
(ख) प्रमाणित किया जाता है कि मैंने जिस मोटरकार/मोटर साईकिल आदि की पेशगी के लिए आवेदन किया था उसकी मुद्रणा तथा वो इस खरीद के लिए बातचीत पूरी करने के साथ अंतिम रूप में भुगतान करके पेशगी लेने के एक महीने के भीतर ही मोटरकार/मोटर साईकिल आदि का अपने अधिकार में ले लूंगा तथा मैं सुपूर्दगी लेने की तिथि को ही बीमा करऊंगा ।

आवेदक का हस्ताक्षर

दिनांक :

अनुलग्नक III

(विनियम 15 देखिए)

मोटर या मोटर सार्इकिल आदि के खरीदने के लिए पेशगी

लेने समय निष्पादित होने वाला करारनामा ।

माह एक हजार नी सी
 को पुत्र निवास जामि से
 कलकत्ता पोर्ट में की है नियम से नौकरी पेशेवर
 (इसके आगे उधारकर्ता कहा जायेगा जिसके अभिव्यंजन में उसके उत्तराधिकारी, प्रशासक, निष्पादक व पोर्ट के कानूनी प्रतिनिधि कलकत्ता पोर्ट तथा अन्य पोर्ट
 के न्यासी मंडल जिनका कार्यालय 15 स्ट्रैण्ड रोड, कलकत्ता (इसके आगे जिसे बोर्ड कहा जायेगा) के बीच करारनामा किया गया ।

जबकि उधारकर्ता में कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (बाह्य खरीदने के लिए अधिन की स्वीकृत) विनियम, 1987 (इसके आगे इसे उपर्युक्त विनियमों के
 नाम से निर्दिष्ट किया जायेगा जोकि तत्समय लागू विनियमों को मंजूरित कर सकेगा) के उप विनियमों के तहत मोटरकार खरीदने के लिए
 के लिए बोर्ड के पास आवेदन किया है तथा बोर्ड भी उपर्युक्त राशि को इसके आगे निर्दिष्ट शर्तों के आधार पर उधार देना स्वीकार कर लिया है अर्
 एतद्वारा पार्टियों के बीच यह स्वीकार कर लिया जाता है तो इसके प्रतिष्ठित स्वरूप बोर्ड उधारकर्ता को की राशि देना है (उधारकर्ता जिसके
 लिए पावती देता है) और उधारकर्ता भी एतद्वारा बोर्ड से करार करता है (1) उपर्युक्त राशि को ब्याज सहित देने का उपर्युक्त विनियमों के अनुसार जोड़े
 गये, अपने वेतन से मासिक कटौती द्वारा जैसा कि उपर्युक्त विनियमों में व्यवस्था की गयी हो तथा एतद्वारा बोर्ड को इस कटौती के लिए प्राधिकृत करता है ।
 और (2) इन प्रस्तुतियों की तारीख से एक महीने के भीतर मोटर की खरीद में उपर्युक्त ऋण की पूरी राशि देने तक या दिया गया ।
 वास्तविक मूल्य लिये गये ऋण से कम हों तो उसे शेष राशि को बोर्ड को तुरंत वापस कर दिया जाये । और (3) उपर्युक्त उधार की गयी राशि के लिए
 जमानत स्वरूप उधारकर्ता को मोटर को बोर्ड के पास बंधक रखने के लिए जीरा ऊपर कहा गया है, के अनुसार एक वस्तावेज
 तैयार करना तथा उपर्युक्त विनियमों में की गयी व्यवस्था के अनुसार ब्याज का भुगतान तथा एतद्वारा अंतिम रूप में करार के बाव यद् घोषणा किया
 जाता है कि यदि उपर्युक्त मोटर नहीं खरीदी जाती तथा बंधक दी जाती जैसा कि ऊपर कहा गया है कि इसकी प्रस्तुती के एक
 महीने के भीतर या यदि ऋणी उसी अवधि में दिवालिखा हो जाए या बोर्ड की सेवा छोड़ दे या सर जाए तब ऋण की पूरी राशि तथा उस पर हुए ब्याज
 तुरंत बकाया तथा वेय हो जायेगा ।

जिसके साक्षी में ऋणी तथा बोर्ड के लिए तथा उनकी ओर से आज के दिन और वर्ष को करने द्वाओं लिखने से
 पहले प्रतिपादित करते है ।

*की उपस्थिति में उपर्युक्त द्वारा हस्ताक्षरित

(माफी का हस्ताक्षर)

(उधारकर्ता का हस्ताक्षर एवं पदनाम)

द्वारा हस्ताक्षरित (नाम व पदनाम)

की उपस्थिति में कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के न्यासी मण्डल के लिए
 तथा उनकी ओर से

(गक्षियों के नाम)

(अधिकारी के नाम व पदनाम)

*ऋणी का नाम व पदनाम ।

अनुलग्नक IV

(विनियम 15 देखिए)

मोटरकार/मोटर सार्इकिल आदि के खरीदने के लिए

पेशगी लेने से पहले निष्पादित होने वाला करारनामा ।

धी पुत्र निवासी

..... पोश से कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के अन्तर्गत
 का रूप में (इसके आगे जिसे ऋणी कहा जायेगा जिसके पटों में उसके उत्तराधिकारी, निष्पादक, प्रशासक तथा कानूनी प्रतिनिधि शामिल है) कलकत्ता पोर्ट
 ट्रस्ट में नियुक्त तथा कलकत्ता पोर्ट के न्यासी मण्डल (जिसे इसके आगे बोर्ड कहा जायेगा) के बीच यह करारनामा विनांक के बीच सम्पन्न हुआ ।

जबकि ऋणी ने निम्नलिखित अनुसूची में वर्णित मोटर को खरीदा/खरीदने के लिए करार किया है (इसके प्रागे उपर्युक्त के नाम से निर्दिष्ट "मोटर")

और जबकि ऋणी ने कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (वाहन खरीदने के लिए अधिसूची की मंजूरी, विनियम, 1987 के उपबन्धों के तहत मोटर खरीदने के लिए की राशि के लिए बोर्ड उसे आवेदन किया तथा बोर्ड ने भी ऋणी को उपर्युक्त राशि देने के लिए सहमत है। अब एतद्वारा पाठियों के बीच अब तक के करार को प्रतिकूल स्वरूप ऋणी को बोर्ड द्वारा की राशि दी गयी (एतद्वारा ऋणी जिसकी पावती देता है) ऋणी एतद्वारा यह करार करता है कि (1) यह बोर्ड को उपर्युक्त राशि तथा उपर्युक्त विनियम के अनुसार उस पर जोड़े गये ब्याज को अपने वेतन से मासिक कटौती द्वारा चुकाएगा, जैसाकि विनियम में व्यवस्थित हो, तथा एतद्वारा बोर्ड को इस कटौती के लिए अधिकृत करता है और (2) उपर्युक्त मोटर की खरीद के लिए उसके द्वारा किसी वैयक्तिक बैंक लिया गया किसी प्रकार का ऋण के पुनर्भुगतान में उधार की पूरी राशि खर्च करेगा या यदि दी गयी राशि उधार राशि से कम हो तो बची राशि को तुरन्त बोर्ड को वापस कर देगा और (3) जैसाकि ऊपर कहा गया है उधार ऋणी द्वारा ली गयी राशि के जमानत रूप यह उपर्युक्त मोटर को बोर्ड को बंधक स्वरूप देने के लिए एक वस्तावेज निष्पादित करेगा। तथा विनियमों की उपबन्धों में दी गयी व्यवस्था के अनुसार ऋणी की चुकौती करेगा। और अन्त में यह सहमत होकर घोषणा किया जाता है कि जैसा कि ऊपर कहा गया है इस करारनामा के एक महीने के भीतर मोटर खरीद कर बोर्ड की बंधक स्वरूप नहीं दिया जाता है या ऋणी प्राप्त ऋणी से वैयक्तिक पार्टी/ (बैंक) से उपर्युक्त मोटर खरीदने हेतु लिए उधार को इस करारनामे के एक महीने के भीतर नहीं चुकता है या यदि ऋणी उस अवधि में दिवालिया हो जाता है या बोर्ड की सेवा त्याग देता है या मर जाता है तो उधार की पूरी राशि तथा उस पर हुए ध्याज तत्काल अकाया तथा देय हो जायेगा।

अनुसूची

मोटर का वर्णन :

बताने वाले का नाम :

वर्णन :

मिलिखंडरो की संख्या :

इंजीन सं. :

चेसिस सं. :

लागत मूल्य :

जिसके माध्यम से ऋणी द्वारा बोर्ड के लिए तथा उनकी ओर से आज के दिन और वर्ष को अपने हार्थों निम्न में उपर्युक्त प्रतिपादित करते हैं।

*को उपस्थिति में उपर्युक्त द्वारा हस्ताक्षरित

(माफ़ी का हस्ताक्षर)

(उधारकर्ता का हस्ताक्षर एवं पदनाम)

द्वारा हस्ताक्षरित (नाम एवं पदनाम)

की उपस्थिति में कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के खास, मण्डल के लिए तथा उनकी ओर से

(माफ़ी के नाम)

(अधिकारी के नाम एवं पदनाम)

ऋणी का नाम व पदनाम।

(विनियम 15 देखिए)

194 GI/87-2

जिसके साक्षी में उपर्युक्त (उधारकर्ता का नाम) तथा
 बोर्ड के लिए और उनकी ओर से उपर्युक्त लिखित की अपने हाथों से प्रतिपादित करते हैं। उपर्युक्त द्वारा हस्ताक्षरित
 की उपस्थिति में

(1)

(2)

(गवाहों के हस्ताक्षर)

(उधारकर्ता के हस्ताक्षर एवं पदनाम)

द्वारा हस्ताक्षरित (नाम एवं पदनाम)

की उपस्थिति में कसकता ग्यासी बोर्ड के लिए तथा उनकी ओर से

(1)

(2)

(गवाहों के हस्ताक्षर)

(अधिकारी के हस्ताक्षर एवं पदनाम)

*उधारकर्ता का नाम एवं पदनाम।

अनुसूची VI

(बिनिम 15 देखिए)

दूसरा अधिम जब पहले का अधिम व्याज सहित पूरा चुकना कर दिया गया हो मोटरकार/मोटर साइकिल धादि के लिए बंधक बाण्ड का काम।

यह करारनामा इस के दिन
 श्री पुत्र इसके आगे
 जिसे "बहणी" कहा जायेगा जिसकी अधिम्यजा तब तक कि बजित न करे, या कोई बात
 विषय (या संदर्भ के प्रतिकूल न हो, उसके उत्तराधिकारियों, प्रशासकों, निष्पादकों तथा एक हिस्से के कानूनी प्रतिनिधि अन्य हिस्से के और कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट
 के ग्यासी मण्डल जिसका प्रधान कार्यालय 15, स्टैंड रोड कलकत्ता (जिसे इसके आगे बोर्ड कहा जायेगा) के बीच किया गया।

जबकि दिनांक के दिन बंधक बिलेब द्वारा उधारकर्ता बोर्ड की मोटरकार/
 मोटर साइकिल धादि जोकि अनुसूची में वर्णित है (इसके आगे जिसे पुराने "मोटरकार/मोटर साइकिल" धादि के रूप में कहा जायेगा) मोटरकार/मोटर साइकिल
 धादि की प्राप्ति के लिए-ए खरीद अधिम (शब्दों एवं अंकों में) व्याज सहित इसके आगे "प्रिसिपल डीब" में
 उल्लिखित दर तथा शर्तों पर व्याज सहित, बंधक देना है।

और जबकि उपर्युक्त राशि रु जोकि उधारकर्ता की पेशगी के रूप में बोर्ड द्वारा दिया गया है, में से उधार-
 कर्ता ने धासक चुकौती की है और व की मूल राशि धन "प्रिसिपल डीब" की राशि के अनुसार उस समय तथा हुए
 बकाए तथा उधारकर्ता द्वारा बोर्ड की देय पर हुए व्याज।

और जबकि उधारकर्ता की एक नये मोटरकार/मोटर साइकिल धादि की आवश्यकता है, (इसके आगे जिसे मोटरकार/मोटर साइकिल धादि कहा जायेगा)
 तथा ऊनने अपनी पुरानी मोटरकार/मोटर साइकिल का बिक्री तथा नये की खरीद अनुमति के लिए बोर्ड को आवेदन किया था और जब भी उधारकर्ता
 को पुरानी मोटरकार/मोटर साइकिल बेचने की अनुमति भी दी गयी थी तथा पुरानी मोटरकार से प्राप्त धनराशि का कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (बाह्य खरीदने
 के लिए अधिम को स्वीकृति) (बिनिम 1987) इसके आगे जिसे उपर्युक्त "बिनिम" कहा जायेगा तथा उस समय लागू उसके पर्वों में कोई संशोधन
 या उसमें कोई योग) की शर्तों के अनुसार नये मोटरकार/मोटर साइकिल धादि के लिए बकाया धनराशि बोर्ड की देय राशि के भुगतान के जमानत के रूप
 में नये मोटरकार/मोटर साइकिल धादि की बोर्ड के पास बंधक स्वरूप रहेगा। और जबकि व उधारकर्ता के पास मूलधन
 के लिए बकाया है और जबकि प्रिसिपल डीब की शर्तों के अनुसार इसके प्रतिरिक्त व्याज के भुगतान के लिए उत्तरदायी होगा।

उपर्युक्त करार के अनुसार यह करारनामा तैयार किया गया तथा उपर्युक्त के विचारार्थ एतद्वारा यह उधारकर्ता व
 की राशि या इसकी प्रस्तुती के दिन उसमें प्रथम शेष बची राशि की रु द्वारा समान किस्तों हर महीने प्रथम दिन को देगा
 उस समय तक राशि पर बाकी व्याज तथा उपर्युक्त बिनिमों के अनुसार परिकल्पित देय होगा तथा उधारकर्ता करार करता है कि उपर्युक्त बिनिमों की
 व्यवस्था के अनुसार उसके मासिक वेतन में भुगतान कर लिया जाये और आगे उपर्युक्त करारनामा के अनुसार उधारकर्ता एतद्वारा बोर्ड की मोटर
 जिसका विवरण उपर्युक्त पेशगी के लिए तथा उपर्युक्त बिनिमों के अनुसार उस पर हुए व्याज के जमानत के रूप में यह लिखें के अनुसार अनुसूची में प्रदर्शित की
 गयी है और उधारकर्ता एतद्वारा यह करार करता है कि उसने उपर्युक्त मोटर का पूरा खरीद मूल्य चुका दिया तथा वह पूर्ण
 रूप से उसकी अपनी संपत्ति हो गयी तथा जिसे वह बंधक पर नहीं रखा है और जब तक उपर्युक्त अधिम से संबंधित कोई भी संपदा बोर्ड की देय होगा तब
 तक उपर्युक्त मोटर की बिक्री, गिरवी या उससे अलग होना या अपने कब्जे से अलग नहीं करेगा। और एतद्वारा यह निश्चित

तथा घोषणा किया जाता है कि यदि मूलधन के उपर्युक्त किस्मों का कोई किस्त या ब्याज के बकाया पड़ने के उस दिन के भीतर भुगतान या बसूली उपर्युक्त विहित तरीके से या उधारकर्ता के किसी समय मर जाने से या बोर्ड की सेवा छोड़ देने से या उधारकर्ता बंद देगा या उपर्युक्त मोटर..... की गिरवी या अपने कब्जे से अलग करेगा या दिवालिया हो जाये या अपने ऋणदाता से कोई समझौता या करारनामा करे या कोई व्यक्ति उधारकर्ता के विरुद्ध पुरी करने या जोकि उस समय देय हों तथा उस पर हुए अवस्य ब्याज जोकि उपर्युक्त के अनुसार जोड़ा गया हो, तुरन्त देय होगा तथा एतद्वारा यह निश्चित एवं घोषणा किया जाता है कि हमने पहले बणित किसी भी घटना के घटने पर बोर्ड उपर्युक्त मोटर को अस्त तथा उस पर कब्जा कर सकता है या तो उसको हटाए बिना उसे अपने कब्जे में रख सकता है या कहीं और संपेक से हटा सकता है तथा उस मोटर..... की या तो आम निलामी द्वारा या वैयक्तिक बेच सकता है बिना किसी भी राशि में से उस समय पेणनी की अवस्य शेष बची राशि तथा उपर्युक्त गणना के अनुसार उस पर हुए ब्याज तथा सभी लागतों, प्रभारों, खर्च तथा भुगतान या उसके अनुरोध हेतु किया गया खर्च बकाया या हमने नीचे दिए गये उसके अधिकारों की उपलब्धि और यदि उसके बाव कुछ बचे तो उसे उधारकर्ता उसके निष्पादक प्रशासक या वैयक्तिक प्रतिनिधि परन्तु प्रागे कब्जे में लेने का अधिकार या उपर्युक्त मोटर..... के बेचने का अधिकार बोर्ड के उधारकर्ता या उसके वैयक्तिक प्रतिनिधि उपर्युक्त बचे बकाए तथा ब्याज पर मामला करने के अधिकार पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा. या मोटर..... को बेचने की दगा में किसी से प्राप्त शुद्ध राशि से अपनी राशि की कमी के लिए उधारकर्ता प्रागे यह करार करता है कि जब तक कि बोर्ड की कोई भी राशि बकाया रहेगी उधारकर्ता यह निश्चित करेगा तथा उपर्युक्त मोटर..... की कोई भी हानि, प्रागे से हुई क्षति जोरी, या दुर्घटना के विरुद्ध बीमा करेगा। बीमा उसी कंपनी में करना पड़ेगा जहां वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी अनुमोदित करेंगे तथा इसके लिए वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी की संतुष्टि के लिए साक्ष्य द्वारा यह प्रमाणित करता होगा कि वह जिस कंपनी से बीमा कराया है उसे यह मोटिस दिया गया है कि बोर्ड बीमा पॉलिसी में दितवस्वी रखता है तथा उधारकर्ता एतद्वारा प्रागे यह करार करता है कि वह उपर्युक्त मोटर..... को मण्ट होने या क्षति होने या ग्रेवेट टूटफूट से खराब होने की अपेक्षा जैसे ही अधिक मात्रा में खराब होने नहीं देगा और प्रागे यह कि किसी क्षति के कारण या उपर्युक्त मोटर..... किसी दुर्घटना में पड़ जाने पर उधारकर्ता उसे तुरन्त मरम्मत करके अच्छी हालत में लायेगा।

अनुसूची

मोटर का विवरण.....

निर्माता का नाम :

विवरण :

मिलियनों की संख्या :

इंजिन सं. :

चेसिस सं. :

अगस्त मूल्य :

जिसके गवाह में बंधक/उधारकर्ता इसे अपने हाथ से लिखते हैं और श्री..... के कार्यालय में..... बोर्ड के लिए और उनकी ओर से इसे अपने हाथ से लिखते हैं..... की उपस्थिति में उपर्युक्त द्वारा हस्ताक्षरित।

*की उपस्थिति में उपर्युक्त द्वारा हस्ताक्षरित.

(1)

(2)

(साक्षी का हस्ताक्षर)

(उधारकर्ता का हस्ताक्षर एवं पदनाम)

द्वारा हस्ताक्षरित (नाम एवं पदनाम)

की उपस्थिति में ग्यामी बोर्ड के लिए तथा उनकी ओर से

(1)

(गवाहों के हस्ताक्षर)

(अधिकारों का हस्ताक्षर व पदनाम)

*उधारकर्ता का नाम एवं पदनाम।

अनुसूचक VII

[विनियम 17 (1) देखिए]

बीमा पालिसी में शामिल किया जाने वाला खर्च का प्रपत्र

1. एतद्वारा यह घोषणा एवं करार किया जाता है कि श्री..... (मोटर-कार/मोटर साइकिल आदि का मालिक इसके प्रागे अनुसूची में इस पालिसी की बीमाकृत के नाम से निविष्ट किया जायेगा) कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के न्यासी मंडल की अपनी मोटर-कार/मोटर साइकिल आदि की खरीद हेतु लिए गये अग्रिम के अमानत स्वरूप बंधक दिया है (प्रागे जिसे बोर्ड कहा जायेगा) और प्रागे यह भी घोषणा एवं करार किया जाता है कि बोर्ड इस पृष्ठांकन के मुताबिक उपर्युक्त मोटर-कार/मोटर साइकिल खोने क्षति होने से संबंधित कोई भी धनराशि इस पालिसी के तहत बीमाकृत श्री..... को देगा। (यह नुकसान या क्षति की पूर्ति मरम्मत बहारी या बदलाई द्वारा नहीं किया जायेगा) और यह यमि सब तक दिया जायेगा जब तक मोटर-कार/मोटर साइकिल बोर्ड के पास बंधक है, तथा इस नुकसान या क्षति के संबंध में इसकी रसीद की कंपनी के निष्पादन के लिए पूर्ण एवं अंतिम होगी।

2. इस पृष्ठांकन में स्पष्ट रूप से मरम्मत के अतिरिक्त इसमें कोई भी संशोधन या क्रमशः बीमाकृत या कंपनी के अधिकारों या देयताओं की इस पालिसी के तहत या सम्बंधित या किसी शर्त, प्रावधान या उसकी शर्तों को प्रभावित नहीं करेगा।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 5th May, 1987

NOTIFICATION

G.S.R. 455 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 read with sub-section (1) of Section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Calcutta Port Trust Employees' (Grant of Advances for Purpose of conveyance) Regulations, 1987 made by the Board of Trustees for the Port of Calcutta and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PR-12015/9/86-PE-I]

P. M. ABRAHAM, Addl. Secy.

SCHEDULE

The Calcutta Port Trust Employees' (Grant of Advances for Purchase of Conveyance) Regulations, 1987.

In exercise of the power conferred by section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), and in supersession of the existing rules on this subject, the Board of Trustees of the Port of Calcutta hereby make the following Regulations :

The Calcutta Port Trust Employees' (Grant of Advances for Purchase of Conveyance) Regulations, 1987.

1. Short title and commencement : (a) These Regulations may be called the Calcutta Port Trust Em-

ployees' (Grant of Advance for Purchase of Conveyance) Regulations, 1987.

2. Definitions :—In these Regulations, unless the context otherwise requires, —

- (a) "Accounts Officer" means the Financial Adviser and Chief Accounts Officer of the Board or such officer (s) from the Accounts Department as may be nominated by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer, the Dy. Manager (Finance) of Haldia Dock Complex or such officer (s) from the Finance Division of Haldia Dock Complex as may be nominated by the Deputy Manager (Finance) ;
- (b) "Board", "Chairman", "Deputy Chairman" and "Head of Department" shall have the same meanings as assigned to them respectively in the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) ;
- (c) "Class I post" shall mean any of the following :—
 - (a) All posts of Head. of Departments.
 - (b) All posts carrying pay or scale of pay (excluding of allowances), the maximum of which is Rs. 1980 per month or more.
 - (c) All posts not covered by (a) and (b) above especially declared to be Class I posts by the Board.
 - (d) "Conveyance" means motor-car, motor-cycle, scooter, scooterette and auto cycle.
 - (e) "Pay" means the amount as defined in rule 9(21) (a) of the Fundamental Rules drawn monthly by an employee excluding allowances, other than those (whole or

part) specially classed as pay by the Calcutta Port Trust for the purpose of this rule.

3. Extent of application : (1) All employees appointed to the services or posts under the Board shall be eligible to an advance under these Regulations.

(2) These Regulations shall not apply to —

- (a) persons in casual or part-time employment;
- (b) persons on deputation from the Central or a State Government or any other source;
- (c) persons employed on contract except when the contract provides otherwise;
- (d) temporary employees who do not substantively hold an appointment under the Board except as provided for under Regulation 4.

4. An advance may be granted to an employee who is not confirmed but who has put in a minimum three years' service with the Board if it is certified by his Head of Department that he is likely in due course to be absorbed in a permanent cadre under the Board, provided that the said employee furnishes alongwith his application a security bond in the form prescribed in Annexure I to these Regulations from an employee holding a substantive appointment under the Board and having a status comparable to or higher than that of the employee who applies for the advance.

5. Advance not to be granted to employee under suspension : Notwithstanding anything contained in regulation 6, an advance for the purchase of a conveyance shall not be granted to an employee who is under suspension and, if an advance has already been sanctioned to him before he was placed under suspension, the payment of such advance shall not be made to him during the period of his suspension.

6. Conditions of eligibility : (1) An employee may be granted an advance for the purchase of a conveyance if his duties involve travelling, or if the authority competent to sanction the advance is satisfied that the possession of a conveyance would be useful to the employee in the discharge of his official duties and that the employee has the capacity to repay the advance and maintain the conveyance in good running condition.

(2) An advance for the purchase of a conveyance shall not be granted to an employee who has already purchased the conveyance and paid for it, unless it had been purchased not more than three months prior to the date the advance was applied for, and it has been paid for by raising a temporary loan.

(3) An advance for the purchase of a conveyance shall not, except as provided in regulation 18, be

sanctioned unless the outstanding balance in respect of an advance previously granted for the same purpose, together with interest thereon, has been fully repaid.

(4) A fresh advance shall not be granted within five years from the date of the grant of the previous sanction except with the special sanction of the Board.

(5) A fresh advance may be granted within five years from the date of the grant of the previous advance, without the special sanction of the Board, in case the previous advance was for the purchase of a motor cycle, scooter etc. but the employee desires to draw a fresh advance for the purchase of a motor-car and the previous advance with interest thereon has been fully repaid.

7. Powers of sanction : An advance may be sanctioned for the purchase of a conveyance in accordance with the provisions of these Regulations—

- (a) in the case of an employee holding a Class I post, by the Chairman or Dy. Chairman, Haldia in case of Haldia Officers;
- (b) in any other case, by the Chairman or any of the Deputy Chairmen.

8. Amount of advance : (1) Motor car : The total amount of advance which may be granted to an employee for the purchase of a motor car for the first occasion shall not exceed eighty thousand rupees, or thirty-five months' basic pay of the employee or the anticipated price of the motor-car, whichever is the least. If the actual price of the motor-car paid by the employee is less than the amount of advance, he shall refund the balance to the Board forthwith.

The quantum of advance that may be granted on the second or subsequent occasions for the purchase of a motor-car shall be restricted to Rs. 80,000/- (Rupees eighty thousand only) less the profit earned on the sale of the previous car purchased with advance or thirty-five months' basic pay of the employee on the price of motor-car to be purchased whichever is the least. The expression 'profit' used in this regulation means the excess of the sale proceeds of the previous car purchased with advance taken from Port Trust over the purchase price paid by the employee.

Such second or subsequent advances for the purchase of a motor car will be admissible only after four years, reckoned from the date of drawal of the last advance, have elapsed. Provided that this restriction of 4 years shall not apply in the following cases :—

- (a) where an advance had been allowed earlier for the purchase of a motor cycle but it is desired to draw the advance for the purchase of motor car.
- (b) where an employee disposes of his motor car in India prior to his posting abroad

or deputation|training abroad lasting more than one year and returns to India without a motor car.

- (c) where an employee is appointed to a regular post abroad and does not take his motor-car along with him.

An employee holding regular post or on training|deputation abroad for period exceeding one year who is otherwise eligible for the grant of motor car advance under these regulations may be granted an advance admissible to him in the above sub-regulations in two instalments first at the time of purchase of the car abroad and the second at the time of payment of customs duty on the car brought in India on completion of his tenure.

(2) Motorcycle etc.

First advance for the purchase of motor cycle|scooter|scooterette|autocycle shall not exceed Rs. 8,000/- (Rupees Eight Thousand only) or ten months pay of the employee or 80% of the anticipated price of the motor cycle|scooter|scooterette|autocycle to be purchased whichever is the least.

Second or subsequent advance for the purchase of a motorcycle|scooter|scooterette|autocycle shall not exceed Rs. 8,000/- (Rupees Eight Thousand only) less the profit earned on the sale of the motorcycle|scooter|scooterette|autocycle purchased on C. P. T.'s loan or ten months' pay of the employee or 80% of the anticipated price of the motorcycle|scooter|scooterette|autocycle to be purchased whichever is the least. If the actual price of the conveyance paid by the employee is less than the amount of advance, he shall refund the balance to the Board forthwith.

NOTE 1 :

In this Regulation the expression 'actual price' includes sales tax and the cost of such items, e.g., spare wheel, tyre and a tube or a pillion seat in a scooter, on the purchase of which the purchaser has no choice. It does not, however, cover the cost of certain accessories, e.g., radio in a car, plastic covers, which are not essential and are purchased by the customer of his own volition. Insurance and registration charges of the vehicles are also not included in 'actual price'.

NOTE 2 :

The expression 'actual price' used in this Regulation shall also cover in the case of first purchase, the following items :—

- (i) the cost of transportation of the conveyance upto the place of the duty of employee concerned at the time of purchase irrespective of whether the transport is arranged by the distributors or by the employee himself; and

- (ii) the Octroi charges actually paid.

9. Interest : Simple interest at the rates fixed by the Central Government from time to time in respect of advances made by it to Government servants for the purchase of conveyance shall be charged on advance granted to employees for the purchase of conveyance. Such interest shall be calculated on the balance outstanding on the last day of each month.

NOTE : If in any particular case an advance is drawn in more than one instalment, the rate of interest recoverable should be determined with reference to the date on which the first instalment is drawn.

10. Form of application for advance : Applications for advance for the purchase of a conveyance shall be made in the form prescribed in Annexure II to these Regulations.

11. Recovery of advance : (1) The amount of advance granted to an employee shall be recovered from him in such number or equal monthly instalments as he may elect, but such number shall not be more than 200 if the advance is granted for the purchase of a motor-car. Such number of equal monthly instalments shall not be more than 80, if the advance is granted for the purchase of motorcycle, etc. The employee may, at his option, repay more than one instalment in a month.

(2) Each instalment on account of repayment of an advance except the last one shall be a number of whole rupees, the amount of last instalment being raised or lowered, if necessary, to admit of fixation of such instalment and recovery of the balance including any fraction of a rupee.

(3) The authority competent to sanction an advance may, in exceptional cases, vary the amount of monthly instalments provided that the whole amount of advance is completely recovered in the number of instalments not exceeding that initially fixed for repayment of the advance.

(4) The recovery of the amount of an advance shall commence with the first issue of pay, leave salary or subsistence allowance, as the case may be, after the advance is drawn.

12. Recovery of interest : (1) The amount of interest calculated under Regulation 9 shall be recovered in the minimum number of monthly instalments, the amount of each such instalment being not more than the amount of the instalment fixed under Regulation 11.

(2) The recovery of interest shall commence from the month immediately following that in which the repayment of the advance for the purchase of a conveyance is completed.

13. Sale or transfer : Except with the prior permission of the authority competent to sanction an advance, an employee shall not sell or transfer the conveyance so long as the amount of advance

together with interest on such amount is not completely repaid.

14. Advance to be refunded if the conveyance is not purchased within one month : Unless an employee who is sanctioned an advance for the purchase of a conveyance completes the purchase of, and pays for, the conveyance within one month from the date on which he draws the advance, he shall refund to the Board forthwith the full amount of the advance together with interest on that amount for one month.

NOTE 1 : The sanctioning authority as specified in Regulation 7 may, in exceptional cases, extend the period of one month prescribed in this regulation to two months.

NOTE 2 : Where an employee refunds the full amount of the advance before the end of the month in which the payment of the advance was made to him, the interest may be recovered for the actual period the advance was retained by the employee.

15. Agreement and mortgage bond : An employee shall, before the payment is made to him of the advance sanctioned for the purpose of purchasing a conveyance execute an agreement in the form prescribed in Annexure III to these Regulations, if the advance is granted to him under Sub-regulation (1) of Regulation 6 or in the form prescribed in Annexure IV to these Regulations, if the advance is granted to him under Sub-regulation (3) of Regulation 6. Immediately on completing, but not later than seven days from the date of, the purchase of a conveyance he shall also execute a mortgage bond in the form prescribed in Annexure V and/or Annexure VI, as the case may be, to these Regulations, hypothecating the motor-car, or motor cycle etc. to the Board as Security for the advance.

16. Advance with interest to be refunded forthwith when mortgage bond is not executed in time : The failure to execute a mortgage bond in time will render the employee who has taken the advance liable to refund forthwith the whole of the amount of advance with interest accrued unless good and sufficient reason is shown to the contrary and the authority competent to sanction an advance extends the period prescribed in this regard.

17. Insurance : (1) An employee who purchases a conveyance with an advance obtained from the Board shall, at his own cost, insure, and so long as the advance and the interest on such advance is not fully repaid, keep so insured, the conveyance, against loss or damage by fire, theft or accident. The insurance policy taken on the conveyance shall contain a clause indicated in Annexure VII to these Regulations. The insurance shall be arranged with the Life Insurance Corporation of India or any other insurance company which is prepared to insert the said clause in the insurance policy.

(2) The amount for which the conveyance is insured for any period shall not be less than the

outstanding balance of the advance, with interest accrued, at the beginning of the period, but if such amount is less, the difference shall be refunded to the Board forthwith.

(3) The failure to comply with the conditions prescribed in this regulation will render the employee liable to refund forthwith the whole of the amount of advance with accrued interest unless good and sufficient reason is shown to the contrary and the authority competent to sanction an advance waives the fulfilment of any of such conditions.

18. Condition for grant of a second or subsequent advance before the earlier advance and interest has been repaid : When an employee is permitted, by the authority competent to sanction an advance, to sell a conveyance, before the amount of advance and the interest thereon is fully repaid, in order to purchase another conveyance, that authority may, if the sale proceeds of the previous conveyance are not sufficient to purchase another, sanction a second advance to the employee subject to the following conditions :

- (a) the entire sale proceeds of the previous conveyance shall be applied towards the purchase of the newly purchased conveyance ;
- (b) the amount of advance that may be granted on a second or subsequent occasion for the purchase of a motor car shall be equal to the difference between the price of the vehicle to be purchased and the sale proceeds left over with the employee after the repayment of earlier outstanding advance, including interest, subject to the following ceiling :—

Rs. 80,000/- (Rupees eighty thousand only) less the profit earned on the sale of the motor car purchased on C.P.T.'s loan, or twenty months' pay of the employee or the price of the motorcar to be purchased, whichever is the least :

Provided further that the amount of advance that may be granted on the second or subsequent occasion for the purchase of a motorcycle|scooter|scooterette|autocycle shall be equal to the difference between the price of the vehicle to be purchased and the sale proceeds left over with the employee after the repayment of the earlier outstanding advance, including interest, subject to the following ceiling :—

Rs. 8000/- (Rupees eight thousand only) less the profit earned on the sale of the motorcycle|scooter|scooterette|autocycle purchased on C. P. T.'s loan or ten months' pay of the employee or 80% of the anticipated price of motorcycle|scooter|scooterette|autocycle to be purchased, whichever is the least.

- (c) an employee who is in possession of a motor-car will not be granted any advance for the purchase of any other type of conveyance : such as, motor-cycle, scooter, scooterette, auto cycle ;
- (d) the recovery of the advance shall continue to be made within the same number of instalments previously fixed ;
- (e) the newly purchased motor-car/motor cycle etc. shall be insured and mortgaged to the Board ;
- (f) a fresh mortgage bond shall be executed in favour of the Board for the revised amount due and not for the amount originally advanced.

19. Restrictions in case of employees due to retire within maximum period prescribed for payment : If an advance is granted to an employee who is due to retire within the maximum period prescribed for its repayment under regulations 11; the number of instalments shall be so regulated that the repayment of advance with interest, if any, is completed before retirement, or termination of service, as the case may be.

20. Date of drawal of advance : (a) The date of the employee accepting cheque from the Accounts Department/Finance Division H.D.C. shall be deemed to be the date of drawal of an advance for the undermentioned purposes :

- (i) Recovery of first instalment towards repayment of the advance [vide sub-regulation (4) of Regulation 11].
- (ii) Completion of the negotiations and purchase of the motor-car or motor cycle etc. (vide Regulation 14).

(iii) Calculation of interest (vide Regulation 9).

- (b) An employee who is on leave in India and for whom an advance has been sanctioned will not be allowed to draw the advance earlier than one month before the date of expiry of leave.

21. Detailed accounts of individual advances : The Accounts Officer shall maintain detailed accounts of individual advances, watch their recovery and see that the conditions attached to each advance are fulfilled.

22. Custody and disposal of mortgage bond : The mortgage bond shall be kept in the safe custody of the Accounts Officer. On repayment of the advance in full together with the interest due thereon, the Accounts Officer shall make an endorsement to that effect on the bond and return the same to the employee.

23. Interpretation : If any question arises as to interpretation of any of the provisions of these regulations, it shall be referred to the Government of India whose decision thereon shall be final.

24. Repeal and savings : (1) On the commencement of these regulations, every rule, regulation, resolution or order in force immediately before such commencement shall, in so far as it provides for any of the matters contained in these Regulations, cease to operate.

(2) Notwithstanding such cessation of operation, anything done or any action taken under any previous rule, regulation, resolution or order shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these Regulations.

ANNEXURE I.

(See regulation 4)

FORM OF SURETY BOND

Know all men by these Presents that I....., son ofresiding atin the district of....., at present employed as a permanent.....in the.....(hereinafter called "the Surety") and held and firmly bound up to the Board of Trustees of the Port of Calcutta (hereinafter called "the Board") in the sum of Rs.....(Rupees.....only) with interest as hereinafter specified and all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by or occasioned to the Board to be paid to the Board for which payment to be well and truly made I hereby bind myself, my heirs, executors, administrators and representatives firmly by these presents. In witness whereof I have signed this bond this.....day of.....one thousand nine hundred and.....

Whereas the Board has agreed to grant to....., son of..... a resident of..... in the district of..... at present employed as temporary..... in the..... (hereinafter called "the borrower") at the borrower's own request an advance of Rs..... (Rupees..... only) for the..... and whereas the Borrower has undertaken to repay the said amount in..... equal monthly instalments with interest as calculated at the rate and in the manner prescribed under regulation..... of the Calcutta Port Trust Employees (Grant of Advances for Purchase of Conveyance) Regulations, 1987, thereon or so much thereof as shall for the time being remain due and unpaid from the day of the advance.

And whereas in consideration of the Board having agreed to grant the aforesaid advance to the Borrower the Surety has agreed to execute the above bond with such condition as is hereunder written.

Now the condition of the above written Bond is that if the said Borrower shall, while employed in the said....., duly and regularly pay or cause to be paid to the Board the amount of the aforesaid advance owing to the Board by instalment with interest as calculated in the aforesaid manner thereon or on so much thereof as shall for the time being remain due and unpaid from the day of the advance until the said sum of Rs..... (Rupees..... only) with interest as calculated in the aforesaid manner shall be duly paid, then this Bond shall be void otherwise the same shall be and remain in full force and virtue.

But so nevertheless that if the Borrower shall die or become insolvent or at any time cease to be in the service of the Board, the whole or so much of the said principal sum of Rs..... (Rupees..... only) thereof as shall then remain unpaid and the interest due on the said principal sum calculated in the aforesaid manner from the day of the advance shall immediately become due and payable to the Board and be recoverable from the surety in one instalment by virtue of this bond.

The obligation undertaken by the Surety shall not be discharged or in any way affected by an extension of time or any other indulgence granted by the Board of the said Borrower whether with or without the knowledge or consent of the Surety.

Signed and delivered

by the said

at

this

of

19

(Signature of Surety)

.....
(Designation)

Office to which attached

In the presence of:—

(i)

(ii)

Signature, Address and Occupation
of the Witnesses :

ACCEPTED

for and on behalf of the Board

194 GI/87

ANNEXURE II

(See Regulation 10)

APPLICATION FORM FOR ADVANCE FOR THE PURCHASE OF MOTOR CAR/MOTOR CYCLE ETC.

1. Name of applicant :
2. Applicant's designation
3. Whether entitled to conveyance/motor-car allowance and if so, the rate per mensem :
4. Pay :
 - (i) Substantive pay :
 - (ii) Officiating pay or pay drawn in temporary post :
 - (iii) Special/Personal pay :
5. Anticipated price of motor-car/motor cycle etc. excluding the cost of optional accessories and insurance and registration charges):
6. Amount of advance required :
7. Date of superannuation or retirement :
8. Number of instalments in which the advance is desired to be repaid :
9. Whether advance for similar purpose was obtained previously and if so,—
 - (i) date of drawal of advance :
 - (ii) the amount of advance and/or interest thereon still outstanding, if any :
10. Whether the intention is to purchase —
 - (a) a new or an old motor-car/motor cycle etc.
 - (b) if the intention is to purchase an old car/motor cycle etc., whether it has been ascertained that the car/motor cycle etc. will be accepted for insurance:
11. Are any negotiations or preliminary enquiries being made so that delivery may be taken of the motor-car/motor cycle etc. within one month from the date of drawal of the advance ?
12. (a) Certified that the information given is complete and true
(b) Certified that I have not taken delivery of the motor-car/motor cycle etc. on account of which I apply for the advance that I shall complete negotiations for the purchase of, pay finally and take possession of the motor-car/motor cycle etc. before the expiry of one month from the date of drawal of the advance, and that I shall insure it from the date of taking delivery of it.

Applicant's Signature

Date :

ANNEXURE-III

(See Regulation 13)

FORM OF AGREEMENT TO BE EXECUTED AT THE TIME OF DRAWING AN ADVANCE FOR
THE PURCHASE OF A MOTOR-CAR OR MOTOR CYCLE ETC.

An Agreement made on day of one thousand nine hundred and between son of residing at by caste by occupation service holder being employed under the Calcutta Port as (hereinafter called the Borrower which expression shall include his heirs, administrators, executors and legal representatives of the One Part and the Board of Trustees of the Port of Calcutta having their head office at 15, Strand Road, Calcutta (hereinafter called the Board) of the Other Part.

Whereas the Borrower has under the provisions of the Calcutta Port Trust Employees (Grant of Advances for Purchase of Conveyance) Regulations, 1987 (Hereinafter referred to as the said Regulations which expression shall include any amendments thereof for the time being in force), applied to the Board for a loan of Rs. for the purchase of a motor, and whereas the Board has agreed to lend the said amount to the Borrower on the terms and conditions hereinafter contained now it is hereby Agreed between the parties hereto that in consideration of the sum of Rs. paid by the Board to the Borrower (the receipt of which the Borrower hereby acknowledges) the Borrower hereby agrees with the Board (1) to pay the Board the said amount which interest, calculated according to the said Regulations by monthly deductions from his salary as provided in the said Regulations and hereby authorised the Board to make such deductions, and (2) within one month from the date of these presents to extend the full amount of the said loan in purchase of a motor, or if the actual price paid is less than the loan to repay the difference to the Board forthwith, and (3) to execute a document hypothecating the said motor, to the Board as security for the amount lent to the Borrower as aforesaid and interest in the form provided by the said Regulations and IT IS hereby lastly Agreed and Declared that if the Motor, has not been purchased and hypothecated as aforesaid within one month from the date of these presents or if the Borrower within that period becomes insolvent or quits the service of the Board or dies the whole amount of the loan and interest accrued thereon shall immediately become due and payable.

In witness whereof the Borrower and for and on behalf of the Board have hereunto set their hands the day and year first before written.

*Signed by the said in the presence of

.....
(Signature of Witness)

.....
(Signature and designation of the Borrower)

Signed by (name and designation)

.....
for and on behalf of the Board of Trustees of
the Port of Calcutta in the presence of

.....
(Signature of Witnesses)

.....
(Signature and designation of the officer)

*Name and designation of the Borrower.

ANNEXURE-IV

(See Regulation 15)

FORM OF AGREEMENT TO BE EXECUTED BEFORE DRAWING AN ADVANCE FOR THE
PURCHASE OF A MOTOR-CAR/MOTOR CYCLE ETC.

An Agreement made on day of
 thousand nine hundred and between
 Son of residing at
 by occupation service holder being employed under the
 Calcutta Port as (hereinafter called the
 Borrower which expression shall include his heirs, executor, administrator and legal representatives) of the One
 Part and the Board of Trustees of the Port of Calcutta (hereinafter called the Board) of the Other Part.

Whereas the Borrower has Purchased/agreed to purchase the motor
 described in the schedule hereunder written (hereinafter referred to as the said "Motor.....").

And whereas the Borrower has under the provisions of the Calcutta Port Trust Employees (Grant of Advances for Purchase of Conveyance) Regulations, 1987 (hereinafter referred to as the said Regulations which expression shall include any amendments thereof for the time being in force), applied to the Board for a loan of Rs. for the Purchase of a motor and whereas the Board has agreed to bond the said amount to the Borrower on the terms and conditions hereinafter contained Now it is hereby Agreed between the parties hereto that in consideration of the sum of Rs. paid by the Board to the Borrower (the receipt of which the Borrower hereby acknowledges) the Borrower (the receipt of which the Borrower hereby acknowledges) the Borrower hereby agrees with the Board (1) to repay to the Board the said amount with interest calculated according to the said Regulations by monthly deductions from his salary as provided in the said Regulations and hereby authorises the Board to make such deductions and (2) within one month from the date of these presents to expend the full amount of the said loan in the repayment of any loan obtained by him from a private party/the (bank) for the purchase of the said motor or if the actual price paid is less than the loan to repay the difference to the Board forthwith, and (3) to execute a document hypothecating the said motor to the Board as security for the amount lent to the Borrower as aforesaid and interest in the form provided by the said Regulations and it is hereby lastly Agreed and Declared that if the Motor has not been purchased and hypothecated as aforesaid within one month from the date of these presents or if the Borrower fails to repay the amount of the loan obtained by him for a Private Party/ (bank) for the express purpose of purchasing the said motor within one month from the date of these presents or if the Borrower within that period becomes insolvent or quits the service of the Board or dies the whole amount of the loan and interest accrued thereon shall immediately become due and payable.

THE SCHEDULE

Description of motor.....

Maker's name :

Description :

Number of cylinders :

Engine No. :

Chassis No. :

Cost Price ;

In witness whereof the Borrower and for
 and on behalf of the Board have hereinto set their hands the day and year first above written.

Signed by the said in the presence of

.....

 (Signatures of Witness)

.....

 (Signature and designation of the Borrower)

Signed by (name and designation)

.....
 for and on behalf of the Board of Trustees of the
 Port of Calcutta in presence of

.....

 (Signature of Witnesses)

.....

 (Signature and designation of the officer)

*Name and Designation of the Borrower.

ANNEXURE V

(See Regulation 15)

FORM OF MORTGAGE BOND FOR MOTOR CAR/MOTOR CYCLE ETC. INITIAL ADVANCE

This Indenture made this day of thousand nine hundred and between, son of, residing at by occupation service holder being employed under the Calcutta Port as (hereinafter called "the Borrower", which expression shall include his heirs, administrators, executors and legal representatives) of the Other Part and the Board of Trustees of the Port of Calcutta having their head office at 15 Strand Road, Calcutta (Hereinafter called "the Board"), of the Other Part.

Whereas the Borrower has applied for and has been granted an advance of Rupees to purchase a Motor on the terms of regulations of the Calcutta Port Trust Employees (Grant of Advances for purchase of conveyance Regulations, 1987 (hereinafter referred to as the said "Regulations" which expression shall include any amendment thereof or addition thereto for the time being in force) and whereas one of the conditions upon which the said advance has been/was granted to the Borrower is/was that the Borrower will/would hypothecate the said Motor of the Board is security for the amount lent to the Borrower and whereas the Borrower has purchased with or partly with the amount so advanced as aforesaid the Motor particulars whereof are set out in the Schedule hereunder written.

Now this Indenture witnesseth that in pursuance of the said agreement and for the consideration aforesaid the Borrower doth hereby covenant to pay to the Board the sum of Rupees aforesaid or the balance thereof remaining unpaid at the date of these presents by equal payments of Rupees each on the first day of every month and will pay interest on the sum for the time being remaining due and owing calculated according to the said Regulations and the Borrower doth agree that such payment may be recovered by monthly deductions from his salary in the manner provided by the said Regulations and in further pursuance of the said agreement the Borrower doth hereby assign and transfer unto the Board the Motor the particulars whereof are set out in the Schedule hereunto written by way of security for the said advance and the interest thereon as required by the said Regulations.

And the Borrower doth hereby agree and declare that he has paid in full the purchase price of the said Motor and that the same is his absolute property and that he has not pledged and so long as any money remains payable to the Board in respect of the said advance will not sell, pledge or part with the property in or possession of the said Motor provided always and it is hereby agreed and declared that if any of the said instalments of principal or interest shall not be paid or recovered in manner aforesaid within ten days after the same are due or if the Borrower shall die at any time cease to be in Board's service or if the Borrower shall sell or pledge part with the property in or possession of the said Motor or become insolvent or make any composition or arrangement with his creditors or if any person shall take proceedings in execution of any decree or judgment against the Borrower the whole of the said principal sum which shall then be remaining due and unpaid together with interest thereon calculated as aforesaid shall forthwith become payable and it is hereby Agreed and declared that the Board may on the happening of any of the events hereinbefore mentioned seize and take possession of the said Motor and either remain in possession thereof without removing the same or else may remove and sell the said Motor either by public auction or private contract and may out of the sale moneys retain the balance of the said advance then remaining unpaid and any interest due thereon calculated as aforesaid and all costs, charges, expenses and payment properly incurred or made in maintaining, defending or realising his rights hereunder and shall pay over the surplus, if any to the Borrower, his executors, administrators or personal representatives provided further that the aforesaid power taking possession or selling of the said Motor shall not prejudice the right of the Board to sue the Borrower or his personal representatives for the said balance remaining due and interest or in the case of the Motor being sold the amount by which the net sale proceeds fall short of the amount owing and the Borrower hereby further agrees that so long as any money are remaining due and owing to the Board, he, the Borrower will insure and keep insured the said Motor against loss or damage by fire, theft, or accident with an Insurance Company to be approved by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer and will produce evidence to the satisfaction of the Financial Adviser and Chief Accounts Officer that the Motor Insurance Company with whom the said Motor is insured have received notice that the Board is interested in the Policy and the Borrower hereby further agrees that he will not permit or suffer the said Motor to be destroyed or injured or to deteriorate in a greater degree than it would deteriorate by reasonable wear and tear thereof and further that in the event of any damage or accident happening to the said Motor the Borrower will forthwith have the same repaired and made good.

SCHEDULE

Description of Motor

Maker's name :

Description :

Number of cylinders :

Engine No. :

Chassis No. :

Cost Price :

In witness whereof the said (Borrower's name) and for and on and on behalf of the Board have hereunto set their respective hands the day and year first above written. *Signed by the said

.....
in the presence of

(1)

(2)

(Signature of Witnesses)

(Signature and designation of the Borrower)

Signed by (name and designation)

.....

for and on behalf of the Board of Trustees of the port of Calcutta in the presence of

(1)

(2)

(Signatures of Witnesses)

(Signature and designation of the Officer)

* Name and designation of the Borrower.

ANNEXURE VI

(See Regulation 15)

**FORM OF MORTGAGE BOND FOR MOTOR CAR/MOTOR CYCLE ETC., SECOND ADVANCE WHEN
EARLIER ADVANCE WITH INTEREST FOR FULLY REPAID**

This Indenture made this day of between Shri, son of hereinafter called "the Borrower" which expression shall unless excluded by or repugnant to the subject or context, include his heirs, administrators, executors and legal representative of the the Part and the Board of Trustees of the Port of Calcutta having their head Office at 15 Strand Road, Calcutta (hereinafter called the "Board") of the Other Part.

Whereas by a Deed of Mortgage dated the day of the Borrower mortgaged to the Board the Motor-car/Motor Cycle etc. described in the Schedule thereto (hereinafter referred to as the old "Motor-car/Motor Cycle", etc. to secure the Motor Car/Motor Cycle etc. purchase advance of Rs. (in words as well as in figures) with interest at the rate and on conditions mentioned in the said Deed of Mortgage hereinafter referred to as the "Principal Deed".

And whereas out of the said sum of Rs. advanced to the Borrower by the Board the Borrower has made part repayments and a sum of Rs. (in words as well as in figures) towards principal plus interest thereon as per the terms of the principal Deed still remain due and payable by the Borrower to the Board.

And whereas the Borrower being in need of a new Motor-car/Motor Cycle, etc., (hereinafter referred to as the Motor-car/Motor Cycle, etc. applied to the Board for permission to sell his old Motor car/Motor Cycle, etc., and purchase a new one and whereas the Borrower has been permitted to sell the old Motor-car/Motor Cycle etc. and utilise the sale proceeds of the Old Motor-car and in terms of regulation of the Calcutta Port Trust Employees (Grant of Advances for Purchase of Conveyance) Regulations, 1987 (hereinafter referred to as the said "Regulations" which expression shall include any amendment thereof or addition thereto for the time being in force), towards the purchase of the new Motor-car/Motor Cycle etc. on condition that the new Motor-car/Motor Cycle, etc., shall be mortgaged to the Board by way of security for the repayment of the sums thus due and owing from the Borrower to Board. And whereas the sum of Rs. is now due from the Borrower for principal and whereas the Borrower is liable in addition to pay interest as per the terms of the Principal Deed.

Now this indenture witnesseth that in pursuance of the said agreement and for the consideration aforesaid the Borrower doth hereby covenant to pay to the Board the sum of Rs. aforesaid by equal monthly instalments of Rs. each on the first day of every month and will pay interest on the sum of Rs. originally advanced to him hereinafter referred to as the principal according to the terms of the Principal Deed and the Borrower doth agree that such payments may be recovered by monthly deductions from his salary in the manner provided by the said Regulations, and in further pursuance of the said agreement the Borrower doth hereby assign and transfer unto the Board the Motor-car/Motor Cycle, etc., the particulars whereof are set out in the Schedule hereunder written by way of security for the said advance and the interest thereon as required by the said Regulations.

And the Borrower doth hereby agree and declare that he has paid in full the purchase price of the said Motor-car/Motor Cycle etc. that the same is his absolute property and that he has not pledged and so long as any money remain payable to the Board in respect of the principal will not sell, pledge or part with the property in or possession of the said Motor-car/Motor Cycle etc. provided always and it is hereby agreed and declared that if any of the said instalments of Principal or interest shall not be paid or recovered in manner aforesaid within ten days after the same are due or if the Borrower shall die or at any time cease to be in Board's service or if the Borrower shall sell or pledge or part with the property in or possession of the said Motor-car/Motor Cycle etc., or become insolvent or make any composition or arrangement with his creditors or if any person shall take proceedings in execution of any decree or judgment against the Borrower the balance of the Principal which shall then be remaining due and unpaid together with interest on principal calculated as aforesaid shall forthwith become payable and it is hereby agreed and declared that the Board may on the happening of any of the events hereinbefore mentioned seize and take possession of the said Motor-car/Motor Cycle etc., and either remain in possession thereof without removing the same or else may remove and sell the said Motor-car/Motor Cycle etc., either by public auction or private contract and may out of the

sale moneys retain the balance of the Principal then remaining unpaid and any interest still due the Principal calculated as aforesaid and all costs, charges expenses and payments properly or made to maintaining defending or realising his rights hereunder and shall pay over the surplus, if any, to the Borrower, his executors, administrators or personal representative provided further that the aforesaid power of taking possession or selling of the said Motor-car/Motor Cycle etc. shall not prejudice the right of the Board, to sue the Borrower or his personal representatives for the said balance remaining due and interest or in the case of the Motor-car/Motor Cycle etc being sold the amount by which the net sale proceeds fall short of the amount owing and the Borrower hereby further agrees that so long as any moneys are remaining due and owing the Board, he, the Borrower will insure and keep insured the said Motor-car/Motor Cycle etc., against loss or damage by fire, theft or accident with an Insurance Company to be approved by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer and will produce evidence to the satisfaction of the Financial Adviser and Chief Accounts Officer that the Motor Insurance Company with whom the said Motor-car/Motor Cycle etc., is insured have received notice that the Board is interested in the Policy and the Borrower hereby further agrees that he will not permit or suffer the said motor-car/Motor Cycle etc. to be destroyed or injured or to deteriorate in a greater degree than it would deteriorate by reasonable wear and tear thereof and further that in the event of any damage or accident happening to the said Motor-car/Motor Cycle etc. the Borrower will forthwith have the same repaired and made good.

SCHEDULE

Description of Motor

Maker's name :

Description :

Number of cylinders :

Engine No. :

Chassis No. :

Cost Price :

In witness whereof the Mortgager/Borrower has hereunto set his hand and Shri in the office of for and on behalf of the Board has hereunto set his hand.

*Signed by the said in the presence

(1)

(2)

(Signature of Witnesses)

(Signature and Designation of Borrower)

Signed by (name and designation).

.
.

for and on behalf of the Board of Trustees of the Port of Calcutta in presence of—

(1)

(Signature of Witnesses)

.

(Signature and Designation of the Officer)

*Name and designation of the Borrower.

ANNEXURE VII

(Sec Regulation 17(I))

FORM OF CLAUSE TO BE INSERTED IN THE INSURANCE POLICY

1. It is hereby declared and agreed that Shri (the owner of the Motor-car/Cycle etc., hereinafter referred to as the insured in the Schedule to this policy) has hypothecated the Motor-car/Cycle etc. to the Board of Trustees of the Port of Calcutta (hereinafter called the Board) as security for an advance for the purchase of the Motor-car/Cycle etc. and it is further declared and agreed that the Board is interested in any moneys which but for this endorsement would be payable to the said Shri (the insured under this policy) in respect of the loss or damage to the said Motor-car/Cycle etc. (which loss or damage is not made good by repair, reinstatement or replacement) and such moneys shall be paid to the Board as long as it is the mortgage of the Motor-car/Cycle etc. and its receipt shall be full and final discharge to the Company in respect of such loss or damage.

2. Save as by this endorsement expressly agreed, nothing herein shall modify or affect the rights or liabilities of the insured or the Company, respectively, under or in connection with this policy or any term, provision or condition thereof.

